माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय
भोपाल, के नई परीक्षा प्रणाली के अनुसार

Narendra Publication's

Best Question Bank

DCA Semester -2

डेस्क टॉप पब्लिशिंग
(पेजमेकर एवं फोटोशॉप)

डेस्क टॉप पब्लिशिंग

Narendra Publication's Best QB

Created by Universal Document Converter

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के नये सिलेबस के आधार पर

BEST

Question Bank

डी. टी. पी. विद पेजमेकर एण्ड फोटोशॉप

- सरल भाषा
- सटिक उत्तर
- सिलेक्टेड प्रश्न–उत्तर
- शिक्षकों द्वारा प्रमाणित

SAMPLE

प्रकाशक

नरेन्द्र पब्लिकेशन, नागपुर

Created by Universal Document Converter

Unit-1

1 प्रकाशन मे डेक्सटॉप पब्लिशिंग के प्रयोग पर विस्तृत नोट लिखिए
write a detailed note on the use of desktop publishing in publication* (Jan - 2013)
या
प्रश्न :– डि. टी. पी. की प्रकाशन मे क्या उपयोगीता है। इसके महत्व को समझाइये।
What is the use of DTP in publication ? write its importance (June -2010, Jun-2011)
या

उत्तर :– पुराने समय मे किसी दस्तावेज को प्रिन्ट करने के लिए बहुत अधिक संसाधनो की आवश्यकता होती थी। पुराने समय में किसी प्रिन्टिंग इकाई को बडे जगह की आवशक्ता होती थी। लेकिन नई तकनीक एवं कम्प्यूटर की सहायता से यह काम बहुत कम जगह पर किया जा सकता है। इस नये प्रिन्टिंग पद्धति को डीटीपी (Desk Top Publication) कहा जाता है। डेक्स टॉप प्ब्लिकेशन (डी.टी.पी.) का अर्थ होता है, आप एक टेबल पर संपूर्ण पब्लिकेशन या छपाई (printing) का काम कर सकते है। कम्प्यूटर के आने के पहले प्रिन्टीगं या पब्लिकेशन यह बहुत मुश्किल तथा थका देने वाला काम था। यदि आपको एक साधारण लेटर पॅड कुछ सरल चित्रो के साथ भी बनाना है, तो इस के लिये बहुत वक्त तथा कुशल कारागीर की जरूरत होती थी। फिर भी उस सुधार के लिये बहुत कम संभावनायें थी। लेकिन आप कम्प्यूटर की सहायता से बहुत सुंदर तथा कलात्मक काम कम समय बना सकते है। आपने शादी की पत्रिकाये, परिचय पत्र या लेटर पैड देखे होगे जो डी.टी.पी. पैकेज की सहायता से बनाये जाते है। डी.टी.पी. पैकेज मे बनाये हुए कामों मे आसानी से बदलाव कर सकते है। आप लेटर पैड का आकार,

Created by Universal Document Converter

उनके अंदर प्रयोग किये हुए शब्दो का प्रकार आसानी से बदल सकते हैं। इतना ही नही आप संपूर्ण लेटर पैड का लेआऊट भी आसानी से बदल सकते है। पेजमेकर मे आप एक मास्टर डाक्यूमेंट बना कर उसे दूसरे डाक्युमेंट के साथ जोड सकते है। इसमे बडे आकार की डिजाइन बना सकते है, जिसे बाद मे अलग–अलग टुकडों मे लेजर प्रिन्टर से प्रिन्ट निकाला जा सकता है। मूलतः डी.टी.पी. पैकेज यह छपाई (**Printing**) के काम मे प्रयोग मे आते है। यदि आपको कोई पाम्पलेट छापना हो तो, प्रथम कम्प्यूटर मे उसकी डिजाइन बनानी होगी, उसके बाद लेजर प्रिन्टरं से प्रिन्ट लेना होगा, उसके बाद उसकी प्लेट बनाई जाती है। फिर उसे व्यवसायिक प्रिन्टींग मशीन पर लगाकर प्रिन्ट लिये जाते है। पेजमेकर यह पैकेज मुख्यतः साधारण तथा सरल डिजाइन बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। डीटीपी सॉफ्टवेयर का मुख्य काम इच्छित प्रिन्टिंग के कार्य को सही तरीके से एवं तेजी से कम्प्यूटर पर सेट करना है। कुछ सॉफ्टवेयर यह एकल पेज डिजाइनिंग के लिए प्रयोग होते है, जैसे कोई पोस्टर की डिजाइन बनाना है, या लेटरपैड की डिजाइन बनाना आदि। कुछ सॉफ्टवेयर बहु पेज दस्तावेज के सेटिंग के लिए प्रयोग होते है, जैसे किसी किताब की सेट करना आदि।

वर्तमान प्रिन्टिंग तकनीक हमारे जीवन से बहुत गहराई से जुडी हुई है। हम रोज विभिन्न प्रिन्ट सामग्री का उपयोग करते है। समाचार पत्र, पत्र, बील आदि विभिन्न प्रिन्ट माध्यम से हम जुडे होते है। इस सभी प्रिन्ट की हुइ वस्तुओ की डिजाइन बनाने का काम डीटीपी सॉफ्टवेयर मे होता है। डीटीपी सॉफ्टवेयर की सहायता से सभी प्रकार के दस्तावेज की डिजाइन बनाई जा सकती है। प्रत्येक प्रकार के दस्तावेज का लेआउट अलग अलग होता है। जैसे किताब का पेज का आकार अलग होता है, ब्राउशर के पेज का आकार अलग होता है। साधारणतः निम्न दस्तावेज की डिजाइन बनाई जाती हैं।

- किताबे
- मासिक पत्रिका
- समाचार पत्र
- निमंत्रण पत्रिका
- बिजनेस कार्ड
- लेटर हेड
- पोस्टकार्ड
- विज्ञापन
- लिफाफे
- कैलेंडर
- पोस्टर
- बिल बुक
- कंपनी की सालाना रिर्पोट
- आवेदन पत्र
- कार्यलयीन नोटीस
- बैनर

Created by Universal Document Converter

5. ऑफसेट प्रिंटिंग से आप क्या समझते है? इसकी कार्य प्रणाली को विस्तार से समझाइए
what do you mean by offset printer ? explain its working in detail* (June 2019)

उत्तर :– **Offset printing**

यह साधारणतः छोटे एंव मध्यम कार्यो मे प्रयोग होती है, जैसे बिल बुक, फार्म, इत्यादि । इसमे एक साथ 1000 से 10,000 प्रतियां छापी जाती है। यह तेज एवं सस्ती प्रिन्टिंग प्रणाली है। समान्य प्रिन्टिंग कामो के लिए यह पद्धति बहुत प्रयोग होती है। इस प्रकार की प्रिन्टिंग तकनीक मे इमेज प्रिन्टिंग प्लेट से रबर की शीट पर स्थानांतरित होती है, उस रबर शीट से कागज पर इमेज स्थानांतरित होती है। इस प्रकार की तकनीक मे **oil** और **water** के प्रतिकर्षण गुणधर्म का प्रयोग करते हुए श्याही से कागज पर इमेज प्रिन्ट की जाती है। इसमे रबर की शीट मे जो हिस्सा प्रिन्ट नही होना है, उसमे पानी का बेस बनता है, तथा जिन हिस्से को प्रिन्ट होना है, उसमे स्याही (जिसमे आईल होता) का बेस बनता है। इस प्रकार की प्रिन्टिंग 1900 शताब्दी के शुरूवात से चालू हुइ थी।

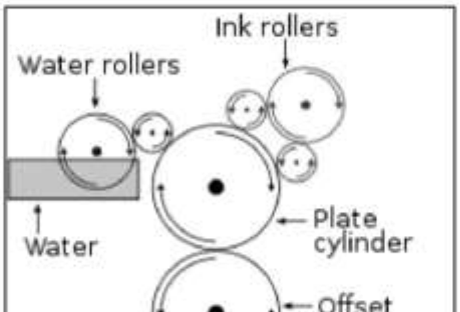

बाकी मुद्रण पद्धतियों से यह प्रभावी, सस्ती, एव तेज तकनीक है। इसमे बडे आकार की प्रिन्टीग कम समय मे की जा सकती है। अन्य प्रिन्टिंग मशीनों की तुलना से ऑफ्सेट मशीनो पर कार्य करना आसान है।

यह मध्यम एवं बडे प्रिन्टिंग कामो मे प्रयोग होती है। इसकी प्रिन्टिंग गुणवत्ता अच्छे दर्जे की होती है। इसमे 2000 या उससे अधिक प्रति छापी जाती है। वर्तमान मे ऑफ्सेट प्रिन्टर का प्रयोग बहुत अधिक हो रहा है, इस प्रकार के प्रिन्टर से समाचार पत्र, किताब,

Created by Universal Document Converter

बहुरंगी पोस्टर, स्टेशनरी समान इत्यादि की प्रिन्टिंग की जाती है। इसका प्रयोग अधिकतर कागज पर प्रिन्टिंग के लिए होता है।
इस प्रकार के प्रिन्टिंग को लिथोग्राफी भी कहा जाता है। इस प्रकार की प्रिन्टींग ऑईल एव पानी के प्रतिकर्षण के सिद्धांत पर कार्य करती है, ऑईल और पानी कभी एक दूसरे से मिश्रित नही होते है। इस प्रकार के प्रिन्टर मे एक प्लेट प्रयोग की जाती है। यह प्लेट PVC या एल्युमीनियम की होती है। इसक अतिरिक्त अनेक प्रकार की प्लेट होती है, लेकिन साधारणतः एल्युमीनियम की प्लेट प्रयोग की जाती है। यह वजन मे हल्की, एवं मजबूत होती है। एल्युमीनियम की प्लेट पर पानी एवं ऑइल का कोई असर नही होता है। इस प्लेट पर प्रक्रिया कर उस पर जो डाटा प्रिन्ट करना है, वह उतारा जाता है। प्लेट पर जहॉ डाटा है वहॉ ग्रीस या ऐसा ही कोई घोल पुता होता है, तथा बाकी जगह पानी से गीली रहती है।

ऑफ्सेट प्रिन्टिंग की प्रक्रिया

ऑफसेट मशीन मे मुख्यतः तीन सिलेंडर होते है, पहले सिलेंडर पर मास्टर या प्लेट लगाई जाती है, दूसरे सिलेंडर पर रबर की परत होती है, जिस पर इमेज प्रिन्ट होती है, तीसरे सिलेंडर से कागज लगता है। इसके अतिरिक्त स्याही को अच्छे से मिलाने के लिए विभिन्न रबर के रोल होते है। ऑफसेट प्रिटिंग मे प्रिन्ट करने की निम्न विधी है।

1. सर्वप्रथम जो डाटा प्रिन्ट करना है, उसे कम्प्यूटर द्वार प्लास्टिक प्लेट पर या बडी एक्सपोजिंग मशीन द्वारा एल्युमीनियम के प्लेट पर उतारा जाता है।
2. उस प्लेट को जिसे मास्टर भी कहा जाता है, उसे प्रथम सीलेंडर पर कसा जाता है।

जिस रंग मे छपाई करना है, उस रंग की स्याही इंक रोल मे डाली जाती है। स्याही को मशीन मे एक जगह रखा जाता है, उस जगह को inkDuct कहा जाता है।
इंकडक्ट यह एक रोलर से जुडा होता है, वह रोलर इंक डक्ट से आवश्यकतानुसर स्याही लेते रहता है।

Created by Universal Document Converter

इंक का रोलर और दो रोलर से जुडा होता है, उनमे एक रोलर यह दाएं–बाएं भी घुमता रहता है, जिससे स्याही अच्छे से मिक्स हो जाती है। दुसरा इंक रोलर प्लेट के सिलेंडर से घसते हुए घुमता है।

बेस रोल मे पानी डाला जाता है। इस प्रकार की प्रिन्टिंग मे पानी की बहुत अहम भूमिका होती है। इस प्रकार की प्रिन्टिंग मे जिस हिस्से मे प्रिन्टिंग होना है, वहॉ पर स्याही आती है, तथा जिस हिस्से मे प्रिन्ट नही होना है, उस पर पानी की परत आती है। इस तरह से सिर्फ प्लेट पर छपा मैटर ही प्रिन्ट होती है। इससे स्याही प्लेट पर लगती है। प्लेट के दूसरे हिस्से मे पानी का रोल भी जुडा होता है। स्याही और पानी दोनो प्लेट पर एक साथ लगती जाती है।

3. अब मशीन को चालू कर दिया जाता है। कुछ देर बाद स्याही या प्लेट सिलेंडर पर आती है।

प्लेट सिलेंडर यह रबर के सिलेंडर (जिसे ब्लांन्केट कहा जाता है।) से घसते हुए घुमता है। इससे प्लेट पर लगी हुई स्याही रबर के सिलेंडर पर आती है। रबर के सिंलेंडर से और एक सिलेंडर लगा होता है। उन दोनो के बीच मे से पेपर जाता है। जो इमेज रबर के सिलेंडर पर आती वह पेपर पर प्रिन्ट होती है।

4. प्लेट के जिसे हिस्से मे इमेज या टेक्स्ट है, उस पर स्याही की परत लग जाती है। बाकी हिस्से मे पानी की परत आ जाती है।
5. प्लेट पर जिस हिस्से मे स्याही लगी है, उसकी मिरर इमेज दूसरे सिलेंडर पर आती है। इस सिलेंडर पर रबर की परत चढी होती है।

अंत मे रबर की परत वाले सिलेंडर से पेपर पर इमेज प्रिन्ट होती है।

इस प्रकार प्रिन्टिंग सिर्फ एक समान सतह के पेपर पर ही की जा सकती है। यदि बहुरंगी प्रिन्टिंग करना है, तब उसे एक से अधिक बार प्रिन्ट किया जाता है। नीले, लाल, पिले एवं काले रंग से लगभग सभी रंग प्रिन्ट किये जाते है। कुछ बडी मशीनो मे यह चारों रंग एक साथ प्रिन्ट होते है।

ऑफ्सेट प्रिन्टिंग प्रणाली के लाभ

इस प्रकार की तकनीक से सभी प्रतियों मे एक समान उच्च गुणवत्ता की प्रिन्टिंग आती है। इसमे प्रिन्टिंग साफ एवं स्पष्ट आती है। इसमे टेक्स्ट के साथ ग्राफिक की भी प्रिन्टिंग की जाती है।

Created by Universal Document Converter

1. इसकी गति बहुत अधिक होती है। यह सामान्यतः 1000 पेज प्रति घंटे से 10,000 पेज प्रति घंटे तक हो सकती है।
2. किसी पेज का मास्टर बनने के बाद, बहुत कम समय मे मशीन पर प्रिन्टिंग चालू कर सकते है।

इसमे प्लेट बनाने के बाद उस प्लेट से एक बार मे कितनी भी प्रिन्टिंग की जा सकती है। यद्यपी एक बार प्रिन्टिंग होने के बाद वह प्लेट फिरसे प्रयोग नही की जा सकती है।

इस प्रकार की मशीनों मे स्याही की खपत एवं अपव्यव बहुत कम होता है, इसलिए यह एक सस्ती प्रणाली है।

इस प्रणाली से की गई प्रिन्टिंग करने के बाद कोई और प्रक्रिया नही करनी पडती है।

3. बडे आकार की प्रिन्टिंग भी की जा सकती है।

इस प्रकार की प्रिन्टिंग मे बहुत अधिक कुशल व्यक्तियों की आवश्यकता नही होती है।

4. अधिक मात्रा की प्रिन्टिंग के लिए यह सबसे सस्ती प्रणाली है।
5. बहुरंगी प्रिन्टिंग की जा सकती है।

प्रिन्टिंग के समय बहुत शोर नही होता है, जैसे की **letterpress printing** मे होता है।

ऑफ्सेट प्रिन्टिंग प्रणाली की कमीयॉ

1. ऑफ्सेट मशीन की लागत अधिक होती है, यह कुछ लाख से करोडों तक होती है।
2. इलेक्ट्रिक पावर की आवश्यकता होती है।
3. **rotogravure** या **photogravure** प्रकार की प्रिन्टिंग से इस प्रकार की प्रिन्टिंग की गुणवत्ता निम्न स्तर की होती है।
4. अर्धकुशल कर्मचारीयों की आवश्यकता होती है।
5. एक बार बनाई प्लेट को बार बार प्रयोग नही कीया जा सकता है।
6. कम मात्रा की प्रिन्टिंग के लिए मंहगी प्रणाली है।
7. फोटो क्वालिटी प्रिन्टिंग नही होती है।

Created by Universal Document Converter

Unit -2

1. पेजमेकर के लाभ – हॉनियों को वर्णन किजिए
Describe the advantage and disadvantages of pagemake* (Jan 2013)
या
पेजमेकर क्या है तथा इसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।
What is pagemaker and explain its features?

उत्तर :– पेजमेकर यह विश्व मे सबसे अधिक प्रयोग होने वाला डी.टी.पी. पॅकेज है। इसमे बडा डाटा भी आसानी से संयोजित (**compose**) कर सकते है। जिस पेज सेटिंग का काम पेजमेकर मे 2 घंटों मे कर सकते है, वो ही काम **manually** करने मे एक दिन से ज्यादा का समय लग सकता है। इसमे टायपीस्ट, ग्राफिक डिजाइनर, लेआउट आर्टिस्ट आदि काम आसानी से कर सकते है। इसमे टेक्स्ट के अतिरिक्त ग्राफिक्स मे कुछ सरल प्रभाव दे सकते है। यह बहुआयामी पॅकेज है, जिसमे आप सरल ग्राफिक्स की पत्रिका, एक संपुर्ण किताब या कलात्मक पाम्पलेट आसानी से बना सकते है। पेजमेकर का **edit story** विकल्प वर्ड प्रोसेसींग की सुविधा देता है, जिसमे बडा डाटा आसानी से टाइप कर सकते है, तथा उस डाटा को विभिन्न टूल (**spell check, find and change**) से जांच सकते है। इसमे बनने वाली फाइलों का आकार बहुत अधिक नही होता है। इसमे बनाई गई डिजाइन मे आसानी से सुधार या बदलाव किये जा सकते है। इसमे अन्य ग्राफिक्स पैकेज से डिजाइन डाली जा सकती है, तथा डिजाइन को मुल पैकेज से **link** किया जा सकता है। पेजमेकर मे स्कॅनर से फोटो, मैप आदि जोड सकते है। ग्राफिक का आकार, स्थिति, रंग आदि एक क्लिक द्वारा बदल सकते है।

यह पॅकेज मॅकन्टोस (**Macantos**) तथा आय.बी.एम **IBM** दोनो प्रकार के कम्प्यूटर पर चलता है। यह पैकेज के टूल बहुत अर्थपुर्ण तथा आसान है। एक स्कुली छात्र भी इस पॅकेज मे काम कर अच्छे डिजाइन बना सकते है। पेजमेकर मे बनी हुई फाइल का आकार भी दूसरे ग्राफिक पॅकेज की तुलना मे बहुत कम होता है। जिससे आप अपनी डिजाइन एक **Floppy** मे भी ले

Created by Universal Document Converter

सकते है। यह पॅकेज **Adobe** कंपनी ने बनाया है। इसमे *256* मास्टर पेज बना सकते है। इसमे फोटोशॉप फाइल के विविध गुण प्रयोग कर सकते है। आप फाइल **Html** फॉरमेट मे बना सकते है, जिसे सीधे इंटरनेट पर डाल सकते है। पेजमेकर के निम्न विशेषण है

- इसमे एक क्लिक से दस्तावेज को बडे एवं छोटे आकार मे देख सकते है।
- मार्जिन के अनुसार पेज मे लेआउट स्वयं की तैयार कर लेता है।
- मास्टर पेज की सुविधा से हेडर फुटर आदि आसानी से बनाया जाता है।
- इसमे एक फाइल मे एक से अधिक मास्टर पेज बनाये जा सकते है।
- इसमे फॉन्ट **kerning, tracing** आदि कि सुविधा है, जिससे टेक्स्ट पर अधिक नियंत्रण रखा जा सकता है।
- इसमे **spell check, find and change** आदि की सुविधा है।
- इसमे ग्राफिक्स **crop** करने एव ग्राफिक्स को इच्छित **shape** मे डालने की सुविधा है।
- **index** बनाने की सुविधा है।

हानियॉ

1. ग्राफिक्स एवं रंग संयोजन की बहुत कम सुविधायें
2. इसमे बनाये गई फाइलों को बहुत से स्वॉफ्टवेयर जैसे एमएस वर्ड आदि के साथ साझा नही किया जा सकता है।
3. पेजमेजर मे गणितीय समीकरण आदि लिखने बहुत समस्या आती है।
4. टेबल बनाना मुश्किल है।

12. निम्न टूल का संक्षिप्त विवरण दे
Write short note on following

1. **Selection tool**
2. **Crop tool**
3. **Oval tool**
4. **Rotate tool**

Created by Universal Document Converter

5. **Perpendicular line tool**

उत्तर :– **Selection (चुनाव) tool**:

यह टूल किसी भी डाटा जैसे टेक्स्ट, ऑब्जेक्ट, इमेज आदि को सिलेक्ट करने के लिये होता है। पेजमेकर मे किसी भी डाटा मे बदलाव करने के लिए उसे सिलेक्ट करना आवश्यक है। यह टूल डाटा को मूव करने के लिए, प्रतिरूप (Copy) बनाने, आकार मे बदलाव करने के लिये प्रयोग आता है। जब कोई ऑब्जेक्ट या इमेज सिलेक्ट करते है, तो उसके चारो और आठ छोटे बॉक्स दिखाई देते है। तथा जब आप कोई टेक्स्ट हेडर या फ्रेम सिलेक्ट करते है तो उस टेक्स्ट के ऊपर और नीचे दो लाइन दिखती है। दो छोटे बॉक्स लाइनो के कोने मे दिखते है। इन छोटे बॉक्स के साथ आप ऑब्जेक्ट या इमेज को बडा या छोटा कर सकते है।

Rotate tool

इस टूल का उपयोग टेक्स्ट फ्रेम, ऑब्जेक्ट, इमेज को वांछित दिशा मे घुमाने के लिये किया जाता है। जब आप इस टूल द्वारा किसी ऑब्जेक्ट या टेक्स्ट फ्रेम को क्लिक करते है तो स्टार आकार का पाइंटर दिखाइ देता है। उसे किसी भी छोटे चौकोर बॉक्स पर क्लिक करे तथा वांछित दिशा मे माऊस घुमाये। यदि आप ऑब्जेक्ट Exact angle मे घुमाना चाहते है, तब वह कट्रोल पॅनल द्वारा कर सकते है।

Crop tool

यह टूल मुलतः इमेज तथा बाहर से लाये गये ऑब्जेक्ट के लिये काम मे आता है। इस टूल द्वारा इमेज या चित्र का अनावश्यक हिस्सा काट सकते है। इसके लिये इस टूल को क्लिक करे। आपको Crop का पाईटंर दिखाई देगा अब वांछित छोटे चौकोर को क्लिक करे तथा माऊस को उचित जगह पर ले जाये।

Shift की बटन दबाकर रखे।

Perpendicular line tool

इस टूल से आप सीधी लाइन बना सकते है। इसके अतिरिक्त आप 45,90,135,180,360 कोन मे भी लाइन बना सकते है।

Oval tool bar

Created by Universal Document Converter

इस टूल से गोलाकार आकृति बनाई जाती है। यदि आपको **prefect circle** बनाना है, तब **ctrl** बटन के साथ माऊस को **drag** करे।

नरेन्द्र पब्लिकेशन

Created by Universal Document Converter

UNIT -3

1. **Master page की उपयोगिता समझाइए? नया मास्टर पेज बनाने की विधी समझाइए।**
Explain use of master page. explain process to create new master page

उत्तर :– **Master Page**

किसी बडे किताब मे बहुत ज्यादा पेज होते है, ऐसे फाइल मे सभी पेज के लिए एक समान लेआउट बनाना पडता है। कुछ common घटक जैसे प्रत्येक पेज के ऊपर एक समान header, जो उस किताब या अध्याय का शीर्षक आदि हो सकता है। या पेज के नीचे पेज नंबर जिसे footer कहते है, डालना पडता है। इन सब कार्यों को करने के लिए मास्टर पेज विकल्प बहुत उपयोगी है। मास्टर पेज मे फाइल के सभी पेज को लेआउट, हेडर, फुटर निश्चित कर सकते है। जो ऑब्जेक्ट मास्टर पेज मे बनाया जाता है, वह ऑब्जेक्ट अपने आप फाइल के सभी पेजों मे आ जाता है। मास्टर पेज का icon स्किन के नीचे बांये ओर रहता है। जिसमे L अक्षर यह दांये पेज के लिए एवं R अक्षर बांये पेज के लिए होता है। यदि single sided पेज है तब सिर्फ R अक्षर दिखता है। मास्टर पेज मे काम करने के लिए इस icon को क्लिक करे। उदाहरण के लिए यदि आपके फाइल के सभी पेज मे टेक्स्ट दांये मार्जिन से 1 इंच के दूरी पर रखना है। इसके लिए आप मास्टर पेज मे, एक guide दांये मार्जिन से 1 इंच दूरी पर रखें, अब सभी पेज मे 1 इंच दूरी पर एक guide दिखाई देगी। यदि दस्तावेज मे नया पेज insert किया है, तब भी 1 इंच दूरी पर guide दिखाई देगी। मास्टर पेज की सेंटिग को सामान्य पेज मे नही बदल सकते। अर्थात यदि मास्टर पेज मे कोई ऑब्जेक्ट बनाया है, तब उसे आप सिर्फ मास्टर पेज मे परिवर्तित कर सकते है, सामान्य पेज उस ऑब्जेक्ट मे कोई भी बदलाव नही कर सकते है।

लेकिन मास्टर पेज बनाने के बाद उसके प्रभाव बाकी सभी पेज पर लागु करना पडता है। इसके लिए

- Windows मेनु को क्लिक करे।

Created by Universal Document Converter

- Show master विकल्प को क्लिक करे। इसमे आपके पब्लिकेशन जितने भी मास्टर पेज है, उनकी सूची दर्शाई जाती है।
- उनमे से इच्छित मास्टर पेज को सिलेक्ट करे।

नया मास्टर पेज बनाना

वैसे पब्लिकेशन मे एक मास्टर पेज होता है, लेकिन एक हि पब्लिकेशन मे अलग अलग प्रकार के पेज सेट करना है, तब एक से अधिक मास्टर पेज बनाना पडेगा। एक मास्टर पेज का प्रभाव उन सभी पेजों पर होता है, जो उसके अतर्गत आते है। यदि एक पब्लिकेशन मे अलग अलग पेजो को अलग मार्जिन देना है, या पेज नंबर भिन्न भिन्न देना है, या अलग लेआउट बनाना है, तब एक से अधिक मास्टर पेज का प्रयोग किया जाता है। मास्टर पेज बनाने के लिए

- Window मेनु मे Show Master विकल्प को क्लिक करे।
- मास्टर पेज का पैलेट दिखाई देगा, उसमे नीचे कि ओर **new master** बटन को क्लिक करे। **new master page** का डायलाग बॉक्स दिखाई देगा। उसमे ऊपर कि ओर नये मास्टर पेज का नाम टाइप करे। उस मास्टर के लिए इच्छित मार्जिन सेट करे। **ok** बटन क्लिक करे। अब मास्टर पैलेट मे नये मास्टर पेज का नाम दिखाई देगा। यदि मास्टर पेज के सेटअप मे बदलाव करना है, तब नाम पर दो बार क्लिक करे। फिर से **new master page** का डायलाग बॉक्स दिखाई देगा।
- जिस पेज को नये मास्टर पेज के अतर्गत लाना है, उसे क्लिक करे तथा मास्टर पैलेट मे नये मास्टर पेज को क्लिक करे।
- एक से अधिक पेजों को नये मास्टर मे लाना है, तब मास्टर पैलेट के ऊपर ओर एक ऐरो बटन है, उसे क्लिक करे। मेनु दिखाई देगा "**apply..**" विकल्प को क्लिक करे।
- **Apply master** का डायलाग बॉक्स दिखाई देगा। उसमे कौन से पेज से कौन से पेज तक मास्टर पेज के अंतर्गत लाना है, वह पेज नंबर टाइप करे। उदाहरण के लिए पेज 5 से पेज 13 तक पेज पर नया मास्टर पेज लागु करना है, तब "**5-13**" टाइप करे। "**Apply**" बटन को क्लिक करे।

Created by Universal Document Converter

पब्लिकेशन मे नया पेज डालते है, तब **page insert** डॉयलाग बॉक्स मे नीचे कि ओर नये पेज को कौन से मास्टर पेज मे डालना है, वह सेट करना पडता है। कोई मास्टर पेज हटाने के लिए मास्टर पैलेट मे नीचे कि ओर **delete** बटन को क्लिक करे। वह मास्टर पेज हट जाता है, लेकिन उस मास्टर पेज के अंतर्गत आने वाले पेज नही मिटते अपितु उनकी पेज सेटिंग बदल जाती है।

3. स्टोरी **(story)** का पेजमेकर मे क्या तात्पर्य है? **What is meant by story in pagemaker * (June 2010, Jan 2011)**

या

Edit story का उपयोग समझाइए। **Edit story** खोलने एवं उसमे कार्य करने की प्रक्रिया समझाइए।

what is use of edit story. explain how to work in edit story

उत्तर :– पेजमेकर मे जो टेक्स्ट एक **text handle** मे होता है, उसे एक स्टोरी कहा जाता है। प्रत्येक स्टोरी को अलग अलग फारमेट किया जा सकता है। एक स्टोरी एक आसानी से इच्छित जगह **move** या **Copy** किया जा सकता है। एक पेज मे कार्य के अनुसार एक से एक से अधिक स्टोरी बनाई जा सकती है। जब किसी स्टोरी **selection** टुल से सिलेक्ट करते है, तब उपर और निचे कि ओर दो लाइन दिखाई देती है। इन लाइनों को खींच कर स्टोरी आकार बदला जा सकता है। इसमे निचे की और कुछ संकेत दर्शाये जाते है। "**+**" :- यदि निचे कि ओर यह चिन्ह दर्शाय है, इसका अर्थ होता है, उस **handle** मे कुछ टेक्स्ट और है, जो दिखाई नही दे रहा है। यदि उसे निचे की ओर खींचा जाये तो और टेक्स्ट दिखता है।

किसी स्टोरी मे बदलाव करने के लिए "**Edit story**" विकल्प का प्रयोग किया जाता है। यद्यपी **edit story** मे डाटा टाइप भी किया जा सकता है। बडे पब्लिकेशन का काम कर रहे है, जैसे प्रोजेक्ट रिर्पोट, किताब, आदि, तब यह विकल्प बहुत उपयोगी है। या जब बडा टेक्स्ट डाटा डालना है, तब इस

Created by Universal Document Converter

विकल्प का प्रयोग किया जाता है। जब आप बडा टेक्स्ट टाइप करते है, तब प्रत्येक बार नया पेज बनाना पडता है, या बडे टेक्स्ट मे सुधार के लिए प्रत्येक पेज पर जाना पडता है। लेकिन पेजमेकर मे **edit story** विकल्प है, जिसमे आप टेक्स्ट डाटा आसानी से डाल सकते है। यह एक **word processor** के समान कार्य करता है। इसमे टाइप किया डाटा पेज मे सेट कर सकते है। एक फाइल मे एक से अधिक **edit story** बना सकते है।

Story editor खोलना

किसी **story editor** को बनाने या खोलने के लिए

- "**Edit**" मेनु को क्लिक करे।
- "**Story editor**" विकल्प को क्लिक करे।

नई स्क्रिन दिखाई देगी, जिसमे टेक्स्ट प्रकार का डाटा डाला जा सकता है। इस स्क्रिन मे दो हिस्से होते है, जिसमे बडे हिस्से मे डाटा डाला जाता है। दूसरे हिस्से मे टेक्स्ट से सम्बन्धित जानकारी दर्शाई जाती है, जैसे उसकी स्टाइल आदि। इस स्क्रिन मे टेक्स्ट डाटा डालने के लिए बडी जगह दि जाती है। इसमे आप टेक्स्ट का फॉन्ट, रंग, आकार आदि बदल सकते है। लेकिन इसमे टेक्स्ट के प्रभाव नही दर्शाये जाते है। जब आप उस टेक्स्ट को पेज पर लाते है, तब उसके प्रभाव दिखाई देते है। आप एक किताब के सभी अध्याय एक हि स्टोरी मे टाइप कर सकते है। लेकिन यदि बडा डाटा है, तब प्रत्येक अध्याय के लिए अलग अलग स्टोरी बनाए।

नई **story** बनाने के लिए

- "**Story editor** मे जाए।
- "**Story**" मेनु को क्लिक करे।
- "**New story**" विकल्प को क्लिक करे।

नई विंडो दिखाई देगी, यह नई स्टोरी है, इसमे आप डाटा टाइप कर सकते है। स्टोरी का नाम उसके हेडिंग या पहले लाइन के टेक्स्ट के आधार पर आता है।

स्टोरी को टेक्स्ट पेज पर लाना

स्टोरी मे टेक्स्ट टाइप करने के बाद उसे पेज पर लाना पडता है।

- "**Edit**" मेनु को क्लिक करे।
- "**Edit layout**" को क्लिक करे।

Created by Universal Document Converter

- पेज का लेआउट दिखाई देता है, तथा माऊस पाईटर चौकोर आकार मे दर्शाया जाता है।
- जहॉ से टेक्स्ट डालना है, वहॉ पर उस पाईटर को रखें एंव अंत तक खींचते ले जाए।

edit story मे विभिन्न विकल्प चालु हो जाते है, जैसे **spell check, find & replace** आदि। लेकिन **page setup, print** विकल्प बंद हो जाते है।

Created by Universal Document Converter

UNIT -4

1. फोटोशॉप ग्राफिक्स एवं आर्ट मे व्यापक रूप मे प्रयोग होने वाला सॉफ्टवेयर है। क्यो ? समझाइए

photoshop is the most extensively used software in graphics and art industry. why? explain (Jan 2013)

या

फोटोशॉप सॉफ्टवेअर के विशेषताओं को समझाइए

Explain features of Photoshop software

उत्तर :– वर्तमान मे फोटो एडिटिंग के लिए इस सॉफ्टवेयर का सबसे अधिक उपयोग हो रहा है। स्कैनर या डिजिटल कैमेरा से प्राप्त फोटो या इमेज को सुधारने, विभिन्न प्रभाव देने के लिए इस सॉफ्टवेयर का उपयोग होता है। इसके अतिरिक्त इसमे विभिन्न ड्राइंग टूल है, जिनकी सहायता से आप इस सॉफ्टवेयर मे इच्छित ड्राइंग बना सकते है। इंटरनेट या वेब पेज मे फोटो या इमेज जोडने के लिए इसमे विभिन्न टूल दिये है। इसमे बनाई गई इमेज को विभिन्न फाइल फॉरमेट मे सेव कर सकते है। इसमे सरल ड्राइंग से लेकर जटिल फोटो तक पर कार्य कर सकते है। फोटोशॉप अनुप्रयोग का फोटो एवं ग्राफिक्स मे काम करने के लिए उपयोग होता है। इसमे फोटो पर विभिन्न प्रभाव दे सकते है, दो फोटो को एक साथ ला सकते है। फोटोशॉप यह 32 bit अप्लिकेशन सॉफ्टवेयर है। इसे विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम पर प्रयोग कर सकते है।

फोटोशॉप की विशेषताएँ

1. इसमे बनी फाइलों को आसानी से वेब पेज पर डाल सकते है।
2. फाइल खोलने एवं उन्हे पहचानने के लिए आधुनिक फाइल ब्राउजर दिया है। जिसकी सहायता से इच्छित फाइल खोजने मे आसानी होती है। फाइल ब्राउजर मे प्रत्येक फाइल का प्रिव्यु, फाइल का नाम, फाइल बनने की तारीख, फाइल का प्रकार, कलर मोड, आकार आदि दर्शाया जाता है।

Created by Universal Document Converter

3. जटिल फोटो या ड्राइंग मे कार्य करने के लिए **layer** सुविधा दी गई है। लेयर के प्रयोग से जटिल ड्राइंग या फोटो को अलग स्तर पर बांट कर काम किया जा सकता है।
4. फोटोशॉप के कार्य को **undo** विकल्प से रद्द कर सकते है। इसमे **history** पैलेट की सुविधा दी गई है, इस पैलेट मे पुराने कार्य कि सूची दर्शाई जाती है। इस पैलेट के उपयोग से फोटो या इमेज को पुरानी स्थिति मे ला सकते है।
5. फोटोशॉप के स्क्रिन को कार्य के अनुसार सेट कर सकते है, इसमे इच्छित पैलेट को दृश्य या अदृश्य कर सकते है। फोटोशॉप मे एक पैलेट के साथ उससे सम्बन्धित पैलेट स्वयं हि खुल जाते है। फोटोशॉप कार्य करते समय विभिन्न परिमाणो की जानकारी नीचे **status** बार मे दर्शाई जाती है, जो कार्य करने मे बहुत उपयोगी होती है।
6. फोटोशॉप इमेज को सिलेक्ट करने के बहुत से टूल है, जो अलग अलग तरीके से इच्छित हिस्से को सिलेक्ट करने मे बहुत सहायक है। इस सुविधा से फोटोशॉप मे किसी फोटो मे प्रभाव देने का काम बहुत आसानी से एवं सटिक हो सकता है। इसमे जो भाग सिलेक्ट किया है, उसे सेव कर सकते है, तथा आवश्यकतानुसार उसे प्राप्त कर सकते है।
7. फोटो मे वांछित रंगो को सुधारने या बदलने का कार्य फोटोशॉप मे बहुत तेजी से एवं आसानी से किया जा सकता है।
8. फोटो का साफ करना, अशुद्धियॉ निकालना पुरानी फोटो मे से फटे हिस्से को सही करना आदि कामो के लिए फोटोशॉप मे बहुत से ड्राइंग एवं ब्रश टूल दिये है। यह बहुत प्रभावी एवं सरल है।
9. फोटो के किसी हिस्से को छुपाना, या फोटो के दूसरे हिस्से का रंग बदलना, आदि कामो के लिए **mask** सुविधा दी गई है।
10. फोटोशॉप मे बहुतसे कलात्मक प्रभाव दिये है, एवं प्रभाव को फोटो पर लागु करने के लिए बहुत से विकल्प भी उपलब्ध है। इसके लिए अलग **filters** मेनु दिया है, जिसमे विभिन्न प्रभावो की सूची है, इसके

Created by Universal Document Converter

अतिरिक्त आप इंटरनेट के माध्यम से भी विभिन्न प्रभाव फोटोशॉप मे डाउनलोड कर सकते है।

11. फोटोशॉप मे किसी फोटो के आकार मे आसानी से बदलाव कर सकते है, उसको इच्छित दिशा मे घुमा सकते है।

इसमे फोटो या ऑब्जेक्ट के साथ साथ टेक्स्ट मे भी कार्य कर सकते है, इसमे **spell check, find and replace** आदि सुविधाएँ दी गई है।

6.. **निम्न फाइलो के बारे मे विवरण दे**
write note on following files

a. **JPEG**
b. **BMP**
c. **GIF**
d. **DIB**

उत्तरः– **JPEG** या **JPG** (Joint Photographic Expert Group)
वर्तमान मे इस फाइल फॉरमेट का अधिक प्रयोग हो रहा है। इस प्रकार के फाइल का आकार छोटा होता है। डिजिटल कैमेरा, स्कैनर आदि मे इमेज स्टोर करने के लिए इस फाइल फॉरमेट का उपयोग होता है। इंटरनेट पर इमेज साझा करने या वेब साइट पर इमेज दर्शाने के लिए सबसे उपयुक्त फाइल फॉरमेट है। लेकिन यह फाइल फॉरमेट, लाइन ड्राइंग, आयकॉन, **texture** आदि प्रकार के लिए अनुकुल नही है। इस प्रकार की फाइल फॉरमेट के इमेज के आकार मे बदलाव करते समय प्रत्येक बार बिटमैप की **quality** खराब होते जाती है।

इस फार्मेट का प्रयोग वर्ड वाइड वेब व अन्य ऑनलाइन सेवाओं में हाइपरटेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज, डॉक्यूमेन्ट्स में फोटोग्राफ आदि प्रदर्शित करने के लिये किया जाता है। बहुत छोटे आकार की फोटो इमेज के लिये सही फाइल फॉरमेट है। ये मूल डेटा के 1/10 आकार तक कम्प्रेस हो जाती हैं। यह फार्मेट **CMYK, RGB** और ग्रेस्केल कलर मोड्स आदि को सपोर्ट करता है लेकिन अल्फा चैनल को सपोर्ट नहीं करता है। **jpeg** सभी कलर इन्फर्मेशन को एक **RGB** इमेज में रखता है, फाइल साइज को कम्प्रेस करता

Created by Universal Document Converter

है। एक jpeg इमेज को जब खोला जाता है, वह स्वंयःही डीकम्प्रेस हो जाती है। इमेज कि गुणवत्ता उसके कम्प्रेशन पर निर्भर होती है। कम्प्रेशन का स्तर बढने पर इमेज की क्वालिटी कम होती जाती है, कम्प्रेशन का स्तर कम होने पर क्वालिटी बेहतर होती है। jpeg कम्प्रेशन की सुविधा के कारण इसे कम मेमोरी की आवश्यकता पडती है, जिससे मेमोरी की लागत कम हो जाती है। सामान्यतः कम्प्रेस्ड JPEG इमेज के कम्प्रेशन अनुपात 5:1 और 15:1 के बीच होते हैं।

BMP

यह विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम की सबसे पुरानी बिटमैप फाइल फॉरमेट है। इस प्रकार की फाइल का आकार बडा होता है। BMP का पूरा नाम बिटमैप पिक्चर (Bitmap Picture) है। इस प्रकार के फाइल का प्रयोग इमेज संग्रहित करने के लिए होता है। इसे विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम मे प्रयोग करने के लिए बनाया गया था, अपितु अब यह विभिन्न ऑपरेटिंग सिस्टम पर भी कार्य कर सकती है। बीएमपी फाइलें पिक्सेल से मिलकर बनी होती हैं, जो कि किसी इमेज में कलर को स्क्रिन पर दर्शाने वाले सूक्ष्म बिन्दु होते हैं। किसी बिटमैप में प्रदर्शित किये जा सकने वाले रंगों की संख्या जितनी अधिक होगी, फाइल का आकार भी उतना ही अधिक होगा।

आप किसी बिटमैप के आकार को कुछ सीमा तक घटाकर भी अधिकांश इमेज क्वालिटी को बनाए रख सकते हैं। इस प्रकार कि फाइलो के ऑब्जेक्ट का आकार बहुत बडा नही कर सकते है। यदि आकार बडा करने की कोशिश करते है, तब इमेज अर्थपुर्ण नही दिखती है, अपितु सिर्फ रंग के कुछ ब्लाक दिखाई देते है। विण्डो ऑपरेटिंग सिस्टम पर कार्य करने वाले लगभग सभी अप्लिकेशन मे इस प्रकार के फाइलो की प्रयोग कर सकते है। इन फाइलो का आकार कम नही कर सकते है। यह फाइले अनकम्प्रेस्ड प्रकार की होती है।

GIF (Graphics Format)

इस प्रकार की फाइल फॉरमेट को अधिकतर इंटरनेट मे प्रयोग किया जाता है। फाइल या इमेज स्थनांतरण करते समय इसमे कोई बदलाव नही आता है। यह भी बिटमैप फाइल फॉरमेट है। यह सिर्फ 8 bit प्रति पिक्सेल को सर्पोट करता है, इसके कारण यह सिर्फ 256 रंगो को ही सपोर्ट कर सकता

Created by Universal Document Converter

है। इसलिए फोटो आदि के लिए इस फाइल प्रकार का प्रयोग नही किया जाता है। इसका उपयोग लाइन आर्ट जैसे कंपनी का मोनो, **logo** आदि के लिए किया जाता है। इस प्रकार के फाइल फॉरमेट को उसकी गुणवत्ता को छेडे बिना छोटे आकार मे संग्रहित किया जा सकता है। इस प्रकार की फाइल को प्रिन्ट करते समय उसे अनुपात मे रखना आवश्यक है। कम रंगो की इमेज के लिए यह फाइल फॉरमेट अधिक उपयुक्त है। कम रंगो मे या एक रंग की इस प्रकार की फाइल **JPEG** फाइल फॉरमेट से छोटी एवं स्पष्ट होती है। यदि इसे बहुरंग फोटो आदि के लिए प्रयोग किया है, तब इस फाइल फॉरमेट का आकार **JPEG** फाइल फॉरमेट से बडा हो जाता है। इस का उपयोग कभी कभी पारदर्शी बैकग्राउंड के लिए भी किया जाता है। इस प्रकार की फाइल फॉरमेट का उपयोग वर्तमान मे कम हो रहा है। **interlacing** विकल्प फाइल की संपुर्ण इमेज को **low quality** मे दर्शाती हैं इस प्रकार की फाइल वेब पेज के लिए उपयोगी है।

DIB (Device Independent bitmap)

यह एक बिटमैप प्रकार की फाइल है, लेकिन इस प्रकार की फाइल को प्रदर्शित करने के लिए किसी विशेष डिस्प्ले ड्राइवर प्रोग्राम की आवश्यकता नही होती है। इस प्रकार की फाइल का प्रयोग विंडो एवं **os/2** ऑपरेटिंग सिस्टम मे किया जा सकता है। यह एक **BMP** फाइल ही होती है, लेकिन इसमे **BMP** हेडर नही होता है। इस प्रकार के फाइल का **extension** यह **.dib** होता है। यह एक ऐसा फार्मेट है, जिसका प्रयोग विभिन्न कलर रिजोल्यूशनों में डिवाइस–इंडीपेंडेंट बिटमैप को परिभाषित करने के लिये किया जाता है। यदि इमेज अनकम्प्रेस्ड हो, तो यह 4 और 1,4,8 और 24 बिट्स प्रति पिक्सेल को सपोर्ट करता है और यदि यह **RLE** कम्प्रेशन का प्रयोग करती हो, तो यह 4 और 8 बिट्स प्रति पिक्सेल को सपोर्ट करता है। **DIB** का मुख्य उद्देश्य बिटमैप को एक से दूसरे डिवाइस में ले जाने की सुविधा देना है यही कारण है कि इसके नाम में डिवाइस इंडीपेंडेट शब्द आता है। एक **DIB** को सामान्यतः मेटाफाइलों (सामान्यतः **StretchDIBits**) फंक्शन का प्रयोग करके, **BMP** फाइलों और क्लिपबोर्ड में भेजा जाता है। यह फाइलें अनेक कम्प्यूटर मल्टीमीडिया सिस्टमों में प्रयोग की जाती है।

Created by Universal Document Converter

PICT : इस फाइल फॉरमेट को एप्पल कंपनी ने विकसित किया था, जो **Macintosh** ऑपरेटिंग सिस्टम पर प्रयोग होती है। इस फाइल फॉरमेट मे वेक्टर ग्राफिक्स एवं बिटमैप ग्राफिक्स को संग्रहित करने कि क्षमता होती है। यह **quickDraw** प्रोग्राम का मुख्य फाइल प्रकार है।

यह फार्मेट **RGB** इमेजेस को एक सिंगल अल्फा चैनल के द्वारा सपोर्ट करता है और इंडेक्स–कलर, ग्रेस्केल व बिटमैप–मोड इमेजेस को अल्फा चैनल के बिना सपोर्ट करता है। यह फार्मेट सॉलिड कलर के बडे आकार के इमेज के कम्प्रेसिंग में अधिक प्रभावी है।

7. **फोटोशॉप मे hue, saturation क्या है?**
What is hue and saturation in photoshop

उत्तर :– **Hue**

Hue यह किसी रंग के मूल रंग को दर्शाता है। उदाहरण के लिए आपने गुलाबी रंग सिलेक्ट किया है, तब उसका **hue** यह लाल होगा। **hue** यह शुद्ध रंग का प्रतिनिधीत्व करता है। यदि किसी इमेज को या उसके हिस्से के मूल रंग को उभार कर देखना है, तब इस विकल्प का प्रयोग किया जाता है।

Saturation

Saturation विकल्प इमेज के किसी रंग की तीव्रता को दर्शाता है। **saturation** यह बताता है की, रंग कितना मूल रूप मे है। उदाहरण के लिए हरे रंग मे पीला एवं नीला रंग रहता है, लेकिन लाल रंग नही होता है। किसी रंग मे मुल रंग का प्रतिशत उसके **saturation** को दर्शाता है। उदाहरण के लिए काले रंग मे सफेद रंग का **saturation** यह शुन्य होता है। **gray** रंग मे सफेद रंग का **saturation** की मात्रा **50** प्रतिशत हो सकती है। एव सफेद रंग मे सफेद रंग का **saturation** यह 100 प्रतिशत होती है। किसी इमेज मे कोई रंग **saturation**का स्तर निश्चित करने के लिए इस विकल्प का उपयोग किया जाता है। **saturation** का अधिकतम स्तर इमेज के गहरे रंग को दर्शाता है, अर्थात मूल रंग अधिक तिव्रता के साथ दर्शाये जाते है। **saturation** के न्युनतम स्तर इमेज को ग्रेस्केल मोड मे दर्शाता है, अर्थात प्रत्येक रंग न्युनतम तीव्रता के साथ दर्शाये जाते है। किसी इमेज मे कोई मूल रंग हटाने के लिए इस विकल्प का उपयोग किया जा सकता है।

Created by Universal Document Converter

नरेन्द्र पब्लिकेशन

Created by Universal Document Converter

Unit -5

5. फोटोशॉप मे आब्जेक्ट के हिस्से सिलेक्ट करने के लिए प्रयोग होने वाले विभिन्न टूल को समझाइए
Explin how to select require part of image in photoshop*

उत्तर :– इमेज के इच्छित भाग को सिलेक्ट करने के लिए टूलबार यह सबसे अच्छा विकल्प है। फोटोशॉप मे सिलेक्ट करने के लिए बहुतसे टूल उपलब्ध है। टूलबार के पहले तीन बटन यह ऑब्जेक्ट को सिलेक्ट करने के लिए प्रयोग होते है।

टूल	टूल का कार्य
Square Marquees tools	इस टूल से आप चौकोर आकार मे इमेज के हिस्से का सिलेक्ट कर सकते है।
Elliptical Selection bar	इस टूल से गोलाकार आकार मे सिलेक्ट किया जा सकता है।
Single row selection	एक रो सिलेक्ट कि जा सकती है, एक रो एक पिक्सेल कि होती है।
Single Column Selection	सिर्फ एक कॉलम सिलेक्ट कि जाती है, एक कॉलम एक पिक्सेल जितनी चौडी होती है।

टूल बार मे सिर्फ **rectangular** सिलेक्शन टूल दर्शाया जाता है, लेकिन जब आप उस टूल के नीचे के ओर **arrow** पर क्लिक करते है, तब चार और टूल दिखाई देते है। यदि आप एक से इमेज के एक से अधिक हिस्से को सिलेक्ट करना चाहते है, तब वह **shift** बटन के साथ किया जा सकता है। यदि **perfect** चौकार या गोलाकार आकृति मे सिलेक्ट करना है, तब **ctrl** कि का प्रयोग किया जाता है। **single row** या **single column** का प्रयोग साधारणतः ऑब्जेक्ट के कोने **(edge)** साफ करने के लिए प्रयोग होते है।

Created by Universal Document Converter

इसके अतिरिक्त अनियमीत आकार मे ऑब्जेक्ट को सिलेक्ट करने के लिए निम्न टूल प्रयोग होते है।

टूल	टूल का कार्य
Lasso tool	यह टूल असमान (irregular) आकार के आकृति को सिलेक्ट करने के लिए प्रयोग होता है। इस टूल से इमेज के हिस्से को सिलेक्ट करने के लिए शुरूवात के बिंदु पर क्लिक करे, तथा माऊस को न छोडते हुए अतिंम बिंदु तक ले जाए।
Polygon lasso tool	यह टूल lasso टूल के समान हि कार्य करता है, लेकिन इसमे सिलेक्शन यह regular आकार मे होता है, यह इच्छित दिशा सीधे लाइन सिलेक्ट करता है। आप जिस दिशा मे माऊस को घुमाते है, उसे दिशा मे ऑब्जेक्ट सिलेक्ट होते जाता है।
Magnetic Lasso tool	अनियीमत (irregular) आकार सिलेक्ट करने के लिए यह सबसे आसान टूल है। इसमे सिलेक्ट करने के लिए इच्छित आकार मे माऊस को घुमात जाऐ फोटोशॉप उसके कोन स्वयं ही देख कर ऑब्जेक्ट को सिलेक्ट करता है।
Magic wand	इस टूल से एक ऑब्जेक्ट मे एक रंग हिस्सा एक क्लिक द्वारा सिलेक्ट किया जा सकता है। जिस रंग पर आप क्लिक करते है, फोटोशॉप वह रंग की आउटलाइन देख ऑब्जेक्ट को सिलेक्ट करता है।

6. फोटोशॉप के विभिन्न पेंटब्रश टूल को समझाइए

Explain various paint bush tools of photoshop

उत्तर :– **Paintbrush Tools**

निम्न टूल का उपयोग ऑब्जेक्ट या इमेज मे रंग भरने या निकालने के लिए होता है। साधारणतः यह टूल जो हिस्सा सिलेक्ट किया है, उस पर हि कार्य करता है। लेकिन आप उसे संपुर्ण इमेज पर कार्य करने के लिए भी सेट कर सकते है। इन टूल को image editor कहा जाता है। फोटोशॉप मे निम्न टूल उपलब्ध है।

Airbrush tool :- इस टूल से एअर ब्रश से पेंट करने का प्रभाव आता है। इससे डाला गये रंग के edge यह soft होते है। इसमे स्प्रे का आकार, शेप,

Created by Universal Document Converter

रंग एवं प्रेशर यह प्रापर्टी बार से सेट कर सकते है। इमेज मे स्प्रे पेटिंग करने के लिए माऊस को इस उस जगह पर क्लिक कर इच्छित दिशा मे **drag** करे।

Paint brush tool :- इस टूल से आप पेंटिंग ब्रश के समान प्रभाव इमेज मे डाल सकते है। आप काम के अनुसार ब्रश का आकार, शेप, रंग आदि निश्चित कर सकते है।

Rubber stamp tool:- यह टूल इमेज के किसी हिस्से को सिलेक्ट कर उसे दूसरे हिस्सों मे पेस्ट करता है। प्रत्येक क्लिक पर वह सिलेक्ट किया हुआ हिस्सा पेस्ट करता है।

History brush tool :- यह टूल उस स्थिती मे बहुत उपयोगी होता है, जब आप इमेज मे कोई बदलाव कर रहे है। लेकिन आपको यह पता नही है, कि वह बदलाव कैसा दिखाई देगा। इमेज का जो हिस्से मे पहले बदलाव किये है, वह इस टूल से सिलेक्ट हो जाते है।

Eraser tool :- इस टूल का प्रयोग इमेज के किसी हिस्से के मिटाने के लिए होता है। जिस हिस्से पर इस टूल द्वारा क्लिक करते है, उस हिस्से मे इमेज का रंग हट जाता है, तथा **canvas** का रंग दिखाई देता है।

Pencil/line tool :- इस टूल का प्रयोग लाइन बनाने के लिए होता है। यह टूल **paintbrush** टूल के समान ही है। लेकिन इसमे सीधी लाइन बनती है।

Blur tool :- इस टूल से इमेज के **edges** यह **soft** होती है। इस टूल को क्लिक करने पर और दो टूल दिखाई देते है **"Sharpen tool"** और **"smudge tool"** इसमे **sharpen tool** यह इमेज के **edge** का **sharp** करता है।

dodge tool : -इस टूल का प्रयोग इमेज मे कोई **Shade** प्रभाव देने के लिए होता है।

10. **फोटोशॉप लेअर के कार्य को समझाइए। नया लेअर बनाने कि विधी समझाइए**
Explain layers in photoshop. how to create new layer in photoshop
या

Created by Universal Document Converter

लेअर बनाने, डिलिट करने, लेअर को उपर– नीचे करने मर्ज करने की प्रक्रिया को समझाइए

Explain the process of creating layers, deleting layers, shifting layers up and down, merging layers

उत्तर :– फोटाशॉप मे लेअर की विभिन्न सुविधाए दी है, जिससे जटिल फोटो या ड्राइंग मे बदलाव करना आसान हो गया है। लेअर सुविधा से आप संपुर्ण डिजाइन के इच्छित हिस्से को इच्छित प्रभाव दे सकते है, ऐसा करते समय डिजाइन के बाकी हिस्से निष्क्रिय रहते है। लेअर तकनीक को समझने के लिए हम उदाहरण लेते है, एक डिजाइन के चार हिस्से अलग अलग पेज पर बनाए है, जब हम पहले पेज पर कार्य कर रहे है, तब बाकी पेज पर उसका कोई असर नही होता है। इसी तरह हम अलग अलग पेज पर कार्य कर सकते है, तथा अंत मे उन सभी पेजों को मिला कर संपुर्ण डिजाइन तैयार कर सकते है। फोटोशॉप इन पेज की जगह इलेक्ट्रानिक लेअर तैयार करता है। हम इन लेअर को आवश्यकतानुसार दृश्य, अदृश्य, सक्रिय या निष्क्रिय कर सकते है। आप इच्छित लेअर को दूसरी लेअर के ऊपर रख सकते है, जिससे पीछे वाले डिजाइन का हिस्सा सामने वाले हिस्से से ढक जाता है। फोटोशॉप लेअर के साथ कार्य करने के लिए बहुत से विकल्प है। फोटो एडिटींग क्षेत्र के विशेषज्ञ इस सुविधा का लाभ बहुत अच्छी तरीके से लेते है। फोटोशॉप मे **Layer** नाम का मेनु है, जिसमे उससे सम्बन्धित सभी विकल्प उपलब्ध है, इसके अतिरिक्त फोटोशॉप लेअर पैलेट से भी इच्छित कार्य कर सकते है।

फोटोशॉप मे जब कोई नई फाइल चालु करते है, तब एक लेअर स्वयं ही बन जाता है। जिसे **layer1** नाम दिया जाता है। इसमे बाद मे आप काम के अनुसार नये लेअर बना सकते है। फोटोशॉप के अंदर बहुत से लेअर, लेअर सेट आदि बना सकते है। प्रत्येक लेअर का एक अलग नाम होता है। चालु फाइल मे उपलब्ध सभी लेअर की सूची, लेअर पैलेट मे दर्शाई जाती है।

लेअर पैलेट मे सभी लेअर कि सूची, उनकी प्रापर्टी, एवं उससे संबधित कुछ बटन दर्शाई जाती है। पैलेट मे प्रत्येक लेअर का नाम, उसमे उपलब्ध घटक,

Created by Universal Document Converter

वह लेअर चालु है, या नही आदि प्रापर्टी दर्शाई जाती है। नीचे की ओर कुछ छोटी बटन होती है। लेअर पैलेट चालु करने के लिए

- **window** मेनु क्लिक करे।
- **Layers** विकल्प क्लिक करें। लेअर पैलेट चालु हो जाता है।

नया लेअर बनाना

फोटोशॉप मे नया लेअर बनाने के लिए निम्न पदो का प्रयोग किया जाता है। नया ऑब्जेक्ट बनाने से पहले

- **Layer** विकल्प क्लिक करे
- **new** विकल्प मे से "**Layer**" विकल्प को क्लिक करे
- **new layer** का डायलॉग बॉक्स दिखाई देता है
- या **layer pallet** मे नीचे कि ओर " **create new layer**" बटन को क्लिक करे।
- इसमे नये लेअर का नाम डाले, एवं इच्छित प्रापर्टी डाले
- **Ok** बटन क्लिक करे। अब नया ऑब्जेक्ट नये लेअर के अंतर्गत आता है।

जो ऑब्जेक्ट बाहर से लाया जाता है, फोटोशॉप उन्हे स्वयं ही नये लेअर मे डाल देता है। फोटोशॉप स्वयं से जो लेअर डालता है, उनका नाम **layer<n>** रखता है।

Layer के घटक दृश्य या अदृश्य करना

लेअर पैलेट मे प्रत्येक लेअर के सामने आंख का आयकान होता है। उसे चालू या बंद करने से लेअर के अंदर के घटक दृश्य होते है, या अदृश्य होते है।

Duplicate layer

इमेज के अंदर या दूसरे इमेज के कोई ऑब्जेक्ट या घटक कॉपी करने के लिए डुप्लीकेट लेअर एक अच्छा विकल्प है। जब किसी लेअर का डुप्लीकेट लेअर बनाते है, तब उसके अंदर के घटक उसके साथ नये लेअर मे आ जाते है। फोटोशॉप मे किसी एक लेअर या लेअर सेट को फिरसे वैसे ही बना सकते है। किसी लेअर या लेअर सेट का **duplicate** बनाने के लिए

जिस लेअर या लेअर सेट का डुप्लीकेट बनाना है, उसे लेअर पैलेट मे क्लिक करे।

Created by Universal Document Converter

- layer मेनु क्लिक करे।
- duplicate layer विकल्प क्लिक करे। डुप्लीकेट लेअर का डायलॉग बॉक्स दिखाई देगा। उसे मे नये लेअर का नाम टाइप करे।
- OK बटन को क्लिक करे। अब लेअर पैलेट मे वैसे ही नया लेअर दिखाई देता है।

जटिल लेअर मे काम करते समय हमेशा एक डुप्लीकेट लेअर बना कर रखना चाहिए। यदि पुराने लेअर मे कोई गलती भी हो गई हो, तो उसे डुप्लीकेट लेअर से वास्तविक स्थिति मे ला सकते है।

Created by Universal Document Converter

Diploma in Computer Application
(Second semester)
DTP with Pagemaker and Photoshop
Examination: May/June 2019

Unit 1

1. प्रिंटिंग में डीटीपी का महत्व क्या है? ऑफसेट प्रिंटिंग का उपयुक्त उदाहरण सहित वर्णन कीजिए

   What is significance of DTP in printing? Explain offset printing in detail with suitable example

उत्तरः– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 1 तथा पेज क्रं. 4 देखें। तथा दूसरे हिस्से के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 7 देखें।

Or

2. निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए

   Explain the following in detail

   a) Hardware and software used in DTP

   b) Types of printing

उत्तर :–

Hardware and software used in DTP :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 15 तथा पेज क्रं. . देखें।

Types of Printing :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 10 तथा पेज क्रं. 13 देखें।

Unit 2

3. पेजमेकर की विशेषताओं का वर्णन कीजिए

Created by Universal Document Converter

What does write the features of pagemaker in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र.1 तथा पेज क्रं. 24 देखें।

Or

4. निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए
   Explain the following in detail
   1. Page size and orientation
   2. Import and export
   3. Autoflow
   4. Columns and gutters

उत्तर :–

Page size and orientation :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 11 तथा पेज क्रं. 14 देखें।
import and export :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 7 तथा पेज क्रं. 51 देखें। export के उत्तर के लिए इस प्रश्न क्र. 8 तथा पेज क्रं. 52 देखें।
AutoFlow :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 9 तथा पेज क्रं. 36 देखें।
column and gutters:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 14 तथा पेज क्रं. 39 देखें।

Unit 3

5. अखबारों की पेज डिजाइनिंग तथा लेआउटिंग के लिए पेज में कर कितना उपयोगी है? वर्णन कीजिए
   Describe how pagemaker is useful as a page designing and out of routing software for newspaper

Created by Universal Document Converter

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 3 तथा पेज क्रं. 28 देखें।

Or

6. **निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए**
   Explain the following in detail
   1. **Table editor**
   2. **Magazine page layout**
   3. **Text wrapping**
   4. **Master pages**

उत्तर :– Table Editor :- इस प्रश्न के उत्तर के नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के लिए प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 49. देखें।

Magzine Page Layout :- पत्रिका का प्रकाशन साधारणतः हफ्ते, पंद्रह दिनो मे, माह मे या साल मे एक बार होता है। साधारणत कोई किसी एक विषय, समाज पर आधारित होती है, जैसे स्वास्थ संबंधि पत्रिका, धार्मिक पत्रिका, सामाजिक पत्रिका आदि। किताब के विपरीत इसे बहुत अधिक संभालकर नही रखा जाता है। इसमे अर्थपूर्ण जानकारियों के साथ विभिन्न विज्ञापन भी डाले जाते है। अलग अलग पत्रिकाओं की डिजाइन भिन्न भिन्न होती है। किसी भी पत्रिका की डिजाइन उसको पढने वाले समूह पर निर्भर होती है। पत्रिका में निम्न घटक महत्वपूर्ण होते है

- कवर पेज :– किसी पत्रिका मे कवर पेज अलग से बहुरंगी छपाई मे बनाया जाता है। लेकिन कम मूल्य की पत्रिका मे कवर पेज से ही मूल दस्तावेज चालू कर दिया जाता है। इस प्रकार के कवर पेज मे ऊपर की ओर पत्रिका का नाम , प्रकाशन की तारीख, पत्रिका की अवधि, संपादक, प्रकाशक आदि का नाम दिये होते है। जिस पत्रिका मे बहुरंग कवर पेज बनाई जाती है, यह सब जानकारियॉ अंदर के पेज पर होती है। बहुरंग कवर पेज मे पत्रिका नाम एवं पत्रिका के अंदर की विभिन्न जानकारियों का सारांश आकर्षक तरीके से दर्शाया जाता हैं।

Created by Universal Document Converter

- बाइन्डिंगः– किसी भी पत्रिका मे बाइन्डिंग साधारण स्टेपल प्रकार की जाती है। पत्रिका की बाइन्डिंग पर बहुत अधिक खर्चा नही किया जाता है।
- पत्रिका का लेआउट :– साधारणतः पत्रिका को दो या अधिक कॉलम मे सेट किया जाता है। पत्रिका का आकार **portrait** रखा जाता है, अर्थात लंबाई, चौडाई से अधिक होती है। यदि समाचार पत्रिका है, तब विभिन्न आकार के हेडिंग रखे जा सकते है। समाजिक पत्रिका मे हेडिंग साधारणतः एक समान रखी जाती है। न्यूजलेटर का आकार साधारणतः पत्रिका से बडा होता है। पत्रिका को अधिक कलात्मक रूप से सेट किया जाता है, न्यूजलेटर का सीधे कॉलम मे सेट किया जाता है। न्यूजलेटर विभिन्न पिक्चर, ग्राफिक्स या ऑब्जेक्ट एवं टेक्स्ट को एक सीध मे रखे जाते है। पत्रिकाओ फोटो, ग्राफिक्स आदि अधिक कलात्मक रूप से दर्शाये जा सकते है। कुछ न्यूजलेटर या पत्रिका प्रिन्ट नही की जाती है, अपितु वेब साईट पर दर्शाई जाती है, वेबसाईट पर सेट करने के लिए अलग फॉरमेट प्रयोग किया जाता है।
- प्रिन्टिंग :– न्यूजलेटर को साधारणतः काले रंग मे या कोई एक रंग मे प्रिन्ट किया जाता है, जो कम खर्चिला होता है। पत्रिका का कवर एवं अंदर कुछ या सभी पेजों पर बहुरंगी छपाई की जाती है। न्यूजलेटर मे कागज भी साधारण क्वालिटी का रखा जाता है, पत्रिकाओं के लिए अच्छे क्वालिटी के कागज का उपयोग किया जाता है।

Text Wrapping

Master Page :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 1 तथा पेज क्रं. 44. देखें।

Unit 4

7. **एडोब फोटोशॉप की विशेषताएं एवं उपयोग क्या है? वर्णन कीजिए**
Explain the features and Use of Adobe Photoshop in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 1 तथा पेज क्रं. 66 देखें।

Created by Universal Document Converter

8. निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए
Explain the following in detail
1. **Vector image**
2. **Raster image**
3. **colour modes**
4. **Pixels**

उत्तर :–

Vector Image :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 71 . देखें।

Raster Image :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 5 तथा पेज क्रं. 71 . देखें।

Colour Modes :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 2 तथा पेज क्रं. 67. देखें।

Pixel :- स्क्रीन के प्रत्येक बिंदु (Dot) को पिक्सेल कहा जाता है। सभी ग्राफिक या चित्र यह हजारों पिक्सेल के समूह से बना होता है। प्रत्येक पिक्सेल यह अलग रंग में हो सकता है। एक पिक्सेल बहुत छोटा होता है इसलिए अलग अलग रंग होने पर भी आकृति एक इकाई में दिखाई देती है।

Unit 5

9. फोटोशॉप में उपलब्ध टूल्स के उपयोग का वर्णन कीजिए
Explain any four tools available in Photoshop and its use in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के क्र. 2 तथा पेज क्रं. 75. देखें।

or

10. निम्नलिखित को विस्तार से समझाइए
Explain the following in detail
a) **Layers effect in Photoshop**
b) **Use of filters in Photoshop**

Created by Universal Document Converter

c) Magnetic lasso tool
d) Palettes

उत्तर :–

Layer effect in Photoshop :- इस प्रश्न के नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 10 तथा पेज क्रं. 84. देखें।
use of filters in Photoshop :- इस प्रश्न के नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 12 तथा पेज क्रं. 87 देखें।
Magnetic Lasso Tool :- इस प्रश्न के उत्तर के नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के लिए प्रश्न क्र. 2 तथा पेज क्रं.76 देखें।
Palettes :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 3 तथा पेज क्रं. 77 देखें।

Created by Universal Document Converter

Diploma in Computer Application (Second semester)
DTP with Pagemaker and Photoshop
Examination: Dec 2019/ Jan 2020

Unit 1

1. डेस्कटॉप पब्लिशिंग क्या है? DTP के कार्य क्षेत्र का वर्णन विस्तार से कीजिए

   What is desktop publishing? Write the area of DTP being used in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 4 तथा प्रश्न क्रं. 1 देखें।

or

2. संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए

   Write short notes on

   a) **DTP and offset printing**

   b) **Hardware and software requirement of DTP**

उत्तरः–

Hardware and software used in DTP :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के प्रश्न क्र. 15 तथा पेज क्रं. . देखें।

DTP and offset printing :- इस प्रश्न के उत्तर के नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के लिए पेज क्रं. 7 तथा प्रश्न क्रं. 5 देखें।

Unit 2

3. पेजमेकर में पेज लेआउट किस तरह बनाया जाता है? एक लेआउट के साथ समझाइए

Created by Universal Document Converter

How is a page layout design in pagemaker? explain with a layout

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 29 तथा प्रश्न क्रं. 4 देखें।

or

4. संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए
Write short notes on
   - **a) Tool box**
   - **b) Page orientation**
   - **c) Import a text/ pictures**
   - **d) Auto Flow**

उत्तरः–

Tool box:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए पेज क्रं..30 तथा प्रश्न क्रं. 6 देखें।

Page orienatation:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए पेज क्रं. 28 तथा प्रश्न क्रं. 3 देखें।

import a text/picture:- इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 7 तथा पेज क्रं. 51 देखें।

AutoFlow :- इस प्रश्न के उत्तर के लिए प्रश्न क्र. 9 तथा पेज क्रं. 36 देखें।

Unit 3

5. **पेजमेकर में एक विज्ञापन किस तरह बनाया जाता है? लेआउट के साथ समझाइए**

How is an advertisement design in pagemaker? explain with a layout

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 58 तथा प्रश्न क्रं. 4 देखें।

Created by Universal Document Converter

Or

6. निम्न को विस्तार से लिखिए
   Explain the following in detail
   - **a) Story editor**
   - **b) Newspaper page layout**
   - **c) Header and footer**

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 29 तथा प्रश्न क्रं. 4 देखें।

Unit 4

7. फोटोशॉप क्या है? इसकी विशेषताएं और कार्यक्षेत्र का विस्तृत वर्णन कीजिए
   What is Photoshop? explain the feature and area of used in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 68 तथा प्रश्न क्रं. 2 देखें।

Or

8. संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए
   Write short note on
   - **a) Raster image**
   - **b) Graphic file**
   - **c) Colour models**
   - **d) Importing image in Photoshop**

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 71 तथा प्रश्न क्रं. 7 देखें।

Unit 5

Created by Universal Document Converter

9. इमेज एडिटिंग के लिए एडोब फोटोशॉप एक अच्छा सॉफ्टवेयर है अपना मत विस्तार में लिखिए
Adobe Photoshop is good software for image editing write your opinion in detail

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 61 तथा प्रश्न क्रं. 1 देखें।

or

10. टिप्पणियां लिखिए
Write short notes on
   a) Pallets in Photoshop
   b) Layer effect in Photoshop
   c) Use of filters in Photoshop
   d) PSd files

उत्तर :– इस प्रश्न के उत्तर के लिए नरेन्द्र पब्लिकेशन Question bank के पेज क्रं. 82 तथा प्रश्न क्रं. 9 देखें।

पिछले परीक्षाओ में नरेंद्र पब्लिकेशन क्वेश्चन बैंक से लगभग 100% क्वेश्चन आए हैं

Created by Universal Document Converter

नरेंद्र पब्लिकेशन की QB को निकटतम बुक स्टोर में नरेंद्र की

QB मांगे, यदि मिलने में समस्या आती है तो, 9371095585

नंबर पर सम्पर्क करे

Created by Universal Document Converter

20 वर्षो से अधिक समय से
छात्रों की पहली पसंद

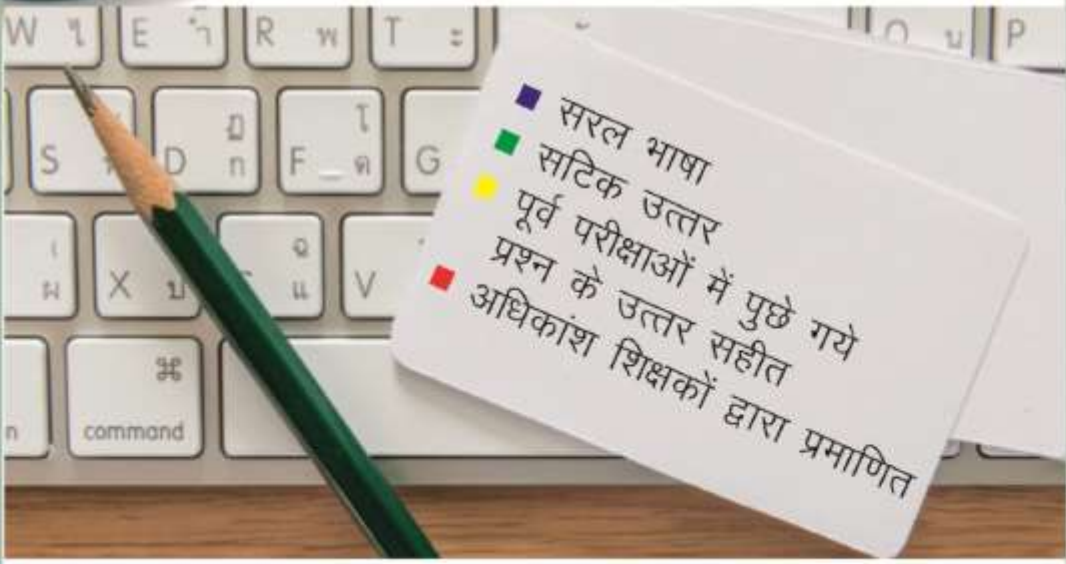

Published By

Narenda Publication
R-268, Near Devanjali
Appt. Reshimbagm Nagpur
Mob : 9371095585, 9822231334
website : www.examtak.com

Rs. 70/-

डेस्क टॉप पब्लिशिंग

Narendra Publication's Best QB

Created by Universal Document Converter